मकसद ◆ महंगाई रोकने के लिए एफएमसी ने वायदा पर सख्ती बढ़ाई

चीनी व गेहूं के वायदा सौदों पर लगेगा ज्यादा मार्जिन

एमसीएक्स व एनसीडीईएक्स में दोनों कमोडिटी पर सोमवार से लगेगा नया मार्जिन

प्रेट्र ◆ नई दिल्ली

कमोडिटी एक्सचेंजों एमसीएक्स और एनसीडीईएक्स ने अगले सप्ताह से चीनी और गेहूं के वायदा अनुबंधों पर मार्जिन मनी बढ़ाकर 10 फीसदी कर दिया है। इन खाद्य वस्तुओं के मूल्य पर लगाम लगाने के लिए मार्जिन बढ़ाने का कदम उठाया गया है। अभी इन दोनों खाद्य वस्तुओं पर 5 से 9 फीसदी तक मार्जिन मनी लगता है। निवेशकों को एक्सचेंज में कोई भी सौदा करने के लिए मार्जिन जमा करना होता है।

फॉरवर्ड मार्केट्स कमीशन (एफएमसी) के निर्देशों पर एमसीएक्स और एनसीडीईएक्स ने अलग-अलग सर्कुलर जारी करके घोषणा की है कि चीनी और गेहूं के अनुबंधों पर अगली 6 अगस्त से 10 फीसदी मार्जिन लगेगा। एनसीडीईएक्स में अभी गेहूं पर 4.78 फीसदी और चीनी पर 4.41 फीसदी मार्जिन लगता है। जबकि एमसीएक्स में गेहूं पर 8.9 फीसदी और चीनी पर 5 फीसदी मार्जिन लगता है। एक्सचेंजों ने सट्टेबाजी और मूल्य में बढ़ोतरी पर रोक लगाने के मकसद से मार्जिन बढ़ाया है।

मार्जिन बढ़ने पर कमोडिटी ब्रोकरेज फर्म जेआरजी वैल्थ मैनेजमेंट के एनालिस्ट चौडा रेड्डी ने कहा कि एनसीडीईएक्स में पिछले 20 जून से गेहूं के दाम करीब 30 फीसदी बढ़ चुके हैं और अब मूल्य कंसोलिडेट हो रहे हैं। इसी तरह जून के पहले सप्ताह से चीनी के वायदा भाव 27 फीसदी बढ़ चुके हैं। शुक्रवार को एनसीडीईएक्स में गेहूं अगस्त वायदा 1.2 फीसदी गिरकर 1396 रुपये प्रति क्विंटल रह गए। जबकि चीनी अगस्त वायदा 1.60 फीसदी बढ़कर 3604 रुपये प्रति क्विंटल हो गया।

इस साल मानसूनी बारिश कम होने के कारण अगले सीजन में चीनी का उत्पादन घटने की आशंका से इसके मूल्य में तेजी आ रही है। दूसरी ओर निर्यात भी जोरों पर हो रहा है। दूसरी ओर विश्व बाजार में गेहूं के दाम बढ़ने के कारण घरेलू बाजार में इसके मूल्य को बढ़ावा मिल रहा है।

इसी वजह से एमएफसी कमोडिटी के वायदा भाव पर लगातार नजर रख रहा है। एफएमसी सोयाबीन, आलू, सोया तेल, सरसों और चना वायदा में मार्जिन पहले ही बढ़ा चुका है।

10% मार्जिन लगेगा एनसीडीईएक्स और एमसीएक्स में चीनी और गेहूं पर

मार्जिन की मौजूदा दर

एमसीएक्स	एनसीडीईएक्स
गेहूं पर 8.9 फीसदी व चीनी पर 5 फीसदी	गेहूं पर 4.78% व चीनी पर 4.41 फीसदी

एफएमसी की चुस्ती

एनसीडीईएक्स के वायदा कारोबार में गेहूं 30 फीसदी और चीनी 27 फीसदी बढ़ चुकी है। महंगाई के लिए वायदा कारोबार पर कोई आरोप लगाए, उससे पहले ही एफएमसी मार्जिन बढ़ाकर सट्टेबाजी और तेजी रोकने के लिए प्रयास कर रहा है। एफएमसी सोयाबीन, आलू, सोया तेल, सरसों और चना वायदा में मार्जिन पहले ही बढ़ा चुका है।

बिजनेस भास्कर
५/८/१२